

**Class-XII**

**Hindi Core(302)**

प्रश्न = 1

उत्तर १ (i) वायु की कृष्णता

उत्तर १ (ii) ~~संस्कृत सिद्ध पर अने पर ही संसाधन पर विचार करते हैं।~~

उत्तर १ (iii) ~~हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है।~~

उत्तर १ (iv) ~~जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो~~

उत्तर १ (v) ~~घरती के बढ़ने तापमान की निरंतरता रखना हीना।~~

उत्तर १ (vi) ~~स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है।~~

(viii)  
उत्तर

d) प्रदूषित हवा विश्व - व्यापी समस्या है।

~~X~~

(viii)  
उत्तर

d) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

~~X~~

(ix)  
उत्तर

b) दिनोदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण

~~X~~

(x)  
उत्तर

b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की जलत व्याख्या है

प्रश्न - 2

कार्यशा - 2

(ii)  
उत्तर

c) गंगा नदी का बढ़ा गल - स्तर

~~X~~

उत्तर (ii)

a) जागा - जल क्षपी रजत परिधान

(iii)

उत्तर d) घर का भजबत हीना

(iv)

उत्तर b) पत्नी

(v)

उत्तर d) उपा

प्रश्न = 3

(i)

उत्तर c) बीट

(ii)

उत्तर a) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान

उत्तर (iii)

c) वेब दुनिया के साथ

उत्तर (iv)

b) शब्दी और हवकियाँ का

उत्तर (v)

a) विशीष रिपीट

प्रश्न = 4

उत्तर (i)

c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द - बहू है

उत्तर (ii)

c) भावनाओं और बिचारों का वेग

उत्तर (iii)

c) कल्पना

उत्तर (iv)

a) शब्दी के अंकुर परे

(v)

उत्तर

b) काव्य - रचना प्रक्रिया की

प्रश्न = 5

(i)

उत्तर

a) खेती में बीज बीजा

(ii)

उत्तर

b) पानी का दान - मुख्य करना पड़ता है

(iii)

उत्तर

d) दान - मुख्य करने से

(iv)

उत्तर

d) दान - मुख्य की महत्ता समझाने के लिए

(N)  
उत्तर)

d) पानी को ड्रम सेना पर डालना

प्रश्न = 6

(I)  
उत्तर)

a) पत्नी और बच्चीं से वैचारिक मतभेद होने के कारण

(ii)  
उत्तर)

c) अपने परिवार को नाराज न करनी के कारण

(iii)  
उत्तर)

d) उनका अपनी परिवार से मतभेद रहने लगा

(iv)  
उत्तर)

c) वे इसी विधि करस्टम मानते थे

(V)  
उत्तर)

a) ईश्वर की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए

उत्तर १ (vi) शाम की खीनों में सिंचाई करना

उत्तर २ (vii) अहमदाबाद के पास ही आने की कक्षा में चली जाने के कारण

उत्तर ३ (viii) बौद्ध स्तूप

उत्तर ४ (ix) कए के रूप में प्रकृतित अनाज रखने के लिए

उत्तर ५ (x) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कथन (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।



खण्ड ब  
(वर्गीकृत प्रश्न)

प्रश्न = 4

[CHOICE - 1]

- शहरीं में बढ़ती दैकिक जाग की समस्या •

आज के समय में अगर कोई समस्या लीगे की सबसे ज्यादा परेशान कर रही है ती वह है — शहरीं में बढ़ती दैकिक जाग की समस्या । इस समस्या के साथ कई और समस्याएँ भी जुड़ी हुई है जैसे — द्वानि प्रदूषण की समस्या । शहरीं में जाग ती जैसे हर समय रहता है परंतु सबसे ज्यादा दैकिक जाग शुबह व शाम की काम, स्कूल व दफ्तर से जाते समय देखने की मिलता है ।

दैकिक जाग के कारण लीगे की द्वानि प्रदूषण का भी सामना करना पड़ता है जिसके कारण लीगे में

अनेक बिमारियाँ ही जाती हैं। बैक्टीरिया, सिर में दर्द, आंखों में जलन आदि विकार पैदा ही जाते हैं। ट्रैफिक जाम के कारण कई बार मरीजों को अपनी जान से हाथ धीना पड़ता है। क्योंकि ट्रैफिक जाम के कारण कई बार एम्बुलेंस को निम्नलिखित का मौका ही नहीं मिलता जिससे मरीज को कई बार जान भी चली जाती है।

ट्रैफिक जाम लगने के कई कारण ही सकते हैं। जिनमें से प्रमुख कारण है — सड़कों की स्थिति ठीक न होना। सड़कों की दूरी-नाफूटी हालत व गड़बड़ होने से आवागमन में दिक्कत आती है जिससे फिर जाम लगता है। वाहनों का जलत लाइन में चलना भी ट्रैफिक जाम लगने का एक कारण है। कई बार रीड पर हुई दुर्घटना के कारण भी जाम लगता है। ट्रैफिक लाइनों का न होना भी जाम लगने का एक कारण है।

शहरीं में बढ़ती ड्रैकिंग जाम की समस्या को कम करने के लिए हमें व सरकार को सौंही प्रयास करने चाहिए। सरकार की सड़कों की मरम्मत करवानी चाहिए। सड़कों पर ड्रैकिंग बोर्ड लगवानी चाहिए। लीगीं की भी उपनी लैन की रीड में ही चलना चाहिए। बढ़ती ड्रैकिंग जाम की समस्या को कम करने के लिए हम दिल्ली के भानगीय मुख्यमंंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के द्वारा द्दि दिल्ली में लागू किया गया ऑड - इवन सिस्टम चला सकते हैं। इसके अलावा हम सार्वजनिक वाहनो के इन्तमाल की बढ़ावा दे सकते हैं।

प्रश्न = 8

(ख)

उत्तर :- रैडियो नाटक एक जाल्य माध्यम है। इसमें रैडियो नाटक :- रैडियो नाटक एक जाल्य माध्यम है। इसमें रैडियो नाटक व रंगमंच की तरह दृश्य नहीं होते।

इसमें सब कुछ दृग्नि व संवादी के माध्यम से संक्षिप्त किया जाता है।

इंडिया नाटक के लिए संवाद लिखने समय निम्नलिखित सावधानियाँ बरतनी चाहिए —

- (1) इंडिया नाटक के संवाद धीरे, संक्षिप्त व प्रभावशाली होने चाहिए।
- (2) संवाद आम बोलचाल की भाषा में होने चाहिए।
- (3) वेब संवादी से तारतम्यता बनाए रखना मुश्किल ही जाता है, इसलिए इनका प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- (4) संवादी की पंक्तियों के माध्यम से कहना चाहिए।
- (5) संवाद उच्चारण व श्रवण सुविधा से युक्त होने चाहिए क्योंकि श्रोता संवादी व आवाज के माध्यम से ही पंक्तों को याद रख पाता है।
- (6) कथानक को संवादी द्वारा ही स्पष्ट किया जाता है।
- (7) कहानी का उद्देश्य संवादों के माध्यम से श्रोताओं तक पहुँचाया जाता है।

(ग)

उत्तर - कहानी का नाट्य रूपांतरण :-

कहानी की मंच पर आव -

धुंगिमाओं के साथ प्रस्तुत करना , कहानी का नाट्य रूपांतरण कहलाना है। नाटक एक ऐसी श्रृंखला है, जिसे पढ़ने , लिखने के साथ - साथ देखना भी जा सकता है।

कहानी की नाटक में रूपांतरित करने हेतु आवश्यक बिंदु निम्नलिखित हैं ->

- (1) कहानी की विस्तृत कथावस्तु का समय और स्थान के आधार पर विभाजन ।
- (2) एक घटना एक समय व एक स्थान पर घटने पर एक दृश्य बनेगा ।
- (3) दृश्यों का कथावस्तु के अनुसार निधारण ।
- (4) दृश्यों का सौ प्रतिशत औचित्य हीना चाहिए ।
- (5) मंच रचना , हवनि व प्रकाश की व्यवस्था का सर्वथा करना ।

प्रश्न संख्या = 9

(क)

उत्तर ५

इडियाँ और टी.वी. के लिए समाचार मुख्यतः उच्च पिरामिड शैली में लिखी जाती हैं।

समाचार लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें निम्नलिखित हैं

- (1) साफ - सुथरी व टाइपड कॉम कॉपी हीनी चाहिए।
- (2) एक लाइन में 12-13 शब्द ही हीने चाहिए।
- (3) कॉपी ट्रिपल स्ट्रीस में टाइप हीनी चाहिए।
- (4) लाइन के अंत में कोई भी शब्द विभाजित नहीं होना चाहिए।
- (5) संज्ञितार्थ का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- (6) निम्नलिखित, क्रमांक, हस्ताक्षरित आदि शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- (7) तथा, व, किंतु, परंतु आदि शब्दों के स्थान पर और, या, लेकिन शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

- (8) सीधी , सरल व आम बोलचाल की भाषा में अपनी बात लिखनी चाहिए ।
- (9) स्थानांतरण की जगह तबदला , मंजिल की जगह कतार आदि शब्दों का प्रयोग करना चाहिए ।
- (10) नीच दिनांक की उरसी प्रकार लिखना चाहिए जिस प्रकार हम बोलते हैं । उरसी 2 करवरी 3 दी हजार तीन ।

(ग)

उत्तर

जनसंघार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम प्रिंट माध्यम है । मुद्रण की शुरूआत चीन में हुई थी । वर्तमान इ-टाइपिंग के आविष्कार का श्रेय जर्मनी के गुटेनबर्ग को जाता है ।

### मुद्रित माध्यम की श्रृंखला

- (1) छोटे छोट शब्दों में स्थायित्व होता है ।
- (2) आप अपनी मर्जी के अनुसार किसी भी पृष्ठ से पद रचते हैं ।

- (3) पढ़ने में कुछ कठिन शब्दों का अर्थ जानने के लिए शब्दकोश का सहारा ले सकते हैं।  
 यह लिखित भाषा का विस्तार है।
- (4) यह चिंतन, विचार व विश्लेषण का माध्यम है।  
 इसे हम लैंग्वेज समय बूक सँभालकर रख सकते हैं।
- (5)
- (6)

मुद्रित माध्यम की कमियाँ

- (1) यह निरचरों के लिए किसी काम का नहीं है।
- (2) मुद्रित माध्यम के छपने की समय सीमा का ध्यान रखना पड़ता है। जैसे 'अखबारों' में 24 घण्टों में से रात 12 बजे के बाद प्रकाशन के लिए कोई सामग्री नहीं ली जाती।
- (3) जगह सीमित होने के कारण स्टीस का ध्यान रखना पड़ता है।
- (4) समाचार में घटना के महत्व के आधार पर स्टीस का विभाजन किया जाता है।



प्रश्न = 10

(ख)

उत्तर -

• कर्मरों में बंद अपाहिण ' कविता रघुबीर सराव द्वारा रचित काव्य संग्रह ' लीग भूल गए हैं', से लिया गया है। इस कविता के माध्यम से कवि मीठिया व दूरदर्शनकर्ताओं की संवेदनशीलता व क्रूरता को उजागर करता है। वे अपने कार्यक्रम की व्यावसायिकता की बढ़ती व धन कमाने के लिए एक अपाहिण व्यक्ति को कर्मरों के सामने बैठकर उससे अर्थहीन प्रश्न पूछते हैं। मीठिया के लीगों को अपाहिण व्यक्ति के दुख व पीड़ा से कोई लेना - देना नहीं है। वे अपाहिण व्यक्ति की पीड़ा को बिल्कुल अपना कार्यक्रम सफल व रीत्यक बनाते हैं।  
अतः मीठिया का सामाजिक स्वीकार मात्र एक दिखावा है।

(ग)

उत्तर -

• वादल राजा ' कविता सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित

'अनामिका' नामक काव्य संग्रह से ली गई है।  
इस कविता में कवि बादलों को क्रांति का रूप  
मानकर उनका आह्वान करना है। बादलों का आह्वान  
समाज का शीथिल वर्ग करना है क्योंकि शीथल वर्ग  
ने उनका खूब शोषण किया है। अतः नव जीवन के  
निर्माण हेतु शीथिल वर्ग बादलों को बुला रहा है कि  
वे आए उनका नव निर्माण करें। क्रांति से हमेशा दूरी  
ही लाभ पाने हैं। क्रांति से हमेशा शीथल वर्ग व  
पूंजीपतियों का विनाश होता है। वे समाज का सारा  
वैभव जींसी रहते हैं व शीथिल वर्ग का शोषण करते  
रहते हैं। अतः क्रांति सभी बादल ही उनका उदार कर  
सकते हैं।

प्रश्न - 11

(ख)

उत्तर -

वे पंजियाँ खबाइयाँ नामक कविता से ली गई है।

इसमें कवि ने मैं के वात्सल्य प्रेम का वर्णन किया है।  
 मैं अपने बच्चे को निर्मल जल से नहलाती हूँ व  
 उसके डलझे हुए बालों में कंठी करती हूँ। बाद में  
 मैं बच्चे को धुटकियों में धबाकर उसे कपड़े पहनाती  
 हूँ। बच्चा मैं की तरफ प्रेम भाव से देखता है।  
 अतः इससे मैं का अपने बच्चे के प्रति वात्सल्य  
 प्रेम व्यक्त हुआ है।

(ग)

उत्तर

'गात जीवी धी पर', कविता कुँवर नारायण द्वारा  
 रचित 'कीर्त इंसरा नहीं', काव्य संग्रह से ली गई है।  
 इस कविता में भाषा व रैच्य की समानता बताने हुए  
 कवि बताना व चाहता है कि किस प्रकार रैच्य की  
 निर्धारित चूड़ी पर ही कसा जाता है, उसी प्रकार हमें  
 भी अपनी सरल व सीधी गात को सहज भाषा के माध्यम  
से ही कहना चाहिए। रैच्य की ज्यादा करने से उसकी चूड़ी  
 भर जाती है ठीक उसी प्रकार दिवावटी व आडंबरता युक्त  
 भाषा का प्रयोग करने से कविता का जट्ट ही जाता है।

अतः भाषा की सहजता पर और देना चाहिए ।

प्रश्न = 12

(क)

उत्तर :-  
आदिन भी सर्वगुण संपन्न नहीं थी, उसमें भी अनेक दुर्गुण मौजूद थे । आदिन में निम्नलिखित दुर्गुण थी -

- (1) वह अंध इधर-उधर चड़े पैसों को उठाकर भीड़र गूह की भटकी में रख देती थी । वह घुड़ों पर उसे पैसों की चीरी नहीं बतानी थी बल्कि पैसों को संभालकर रखना कहती थी ।
- (2) वह लैखिका की श्रद्धा करने के लिए धान की इधर-उधर धुमाकर बतानी थी ।
- (3) वह सन्यवादी हरिशचंद्र नहीं थी ।
- (4) वह शास्त्रों की अपनी कटुआनुसार न्यायवा करती थी ।

(5) वह दूसरों को अपने अनुसार ढाल लेती थी पर स्वयं नहीं बदलती थी।

अतः ठीक ही कहा गया है कि 'कीड़ भी व्याप्त सर्कयुटा संपन्न नहीं' हीता, अस्तित्व भी इसका अपवाद नहीं थी।

(खब)

उत्तर

बाजार को आदू कहा गया है। क्योंकि यह जीर्ण को अपनी और आकर्षित करता है। बाजार की चकाचौंध का व्यस्तिके के मन-मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वह बाजार की चकाचौंध देखकर उसकी और स्वीचा चलता जाता है। वह बाजार से अनावश्यक वस्तुएँ खरीद जाता है। अब व्यस्तिके का मन खाली हीता है जब तो बाजार का आदू निश्चित चलता है। वह किपुल खर्ची करने लगता है।

इस चकाचौंध से बचने का एकमात्र उपाय है — जब मन खाली हो तब बाजार नहीं जाना चाहिए। मन लटप से भरा हीने पर ही बाजार में जाना चाहिए। अपनी आवश्यकता के

अनुसार बस्तुएँ स्थिरिकी चाहिए ।

प्रश्न = 13

(क)

उत्तर

6. प्रैरी कल्पना का आदर्श समाज 'पाठ में जाति प्रथा के पीछे जागी' को जीवन, सुरक्षा व संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता देने के पक्ष में है। पर ये जाति प्रथा के पीछे जागी' को अपना व्यवसाय स्वयं चुनने की स्वतंत्रता नहीं प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति को केवल पैसा चुनने को विवश करते हैं। जाति प्रथा के कारण श्रम के साथ-साथ श्रमिकों का भी अस्वाभाविक विभाजन होता है जो कि जाल है। इसमें श्रम का विभाजन व्यक्ति की स्वतंत्रता व समता पर आधारित नहीं होता।

(जा) (स्व)

उत्तर ५

'अभिलेन' पाठ में खीटे सिमकों की टकराल अभिलेन की कहा गया है क्योंकि अभिलेन ने परिवार की लीक से हटकर तीन पुत्रियों की जन्म दिया था। उस समय पुत्रियों की सम्मान नहीं दिया जाता था। अभिलेन की पुत्रियों व ससुर के पुत्रों को जन्म दिया था पर अभिलेन ने द्वि. सिम तीन बेटियों को जन्म दिया था। इस कारण अभिलेन के साथ भैरव गुर्ण व्यवहार किया जाता था व उसकी बेटियों से धर का सारा काम करवा जाता था।